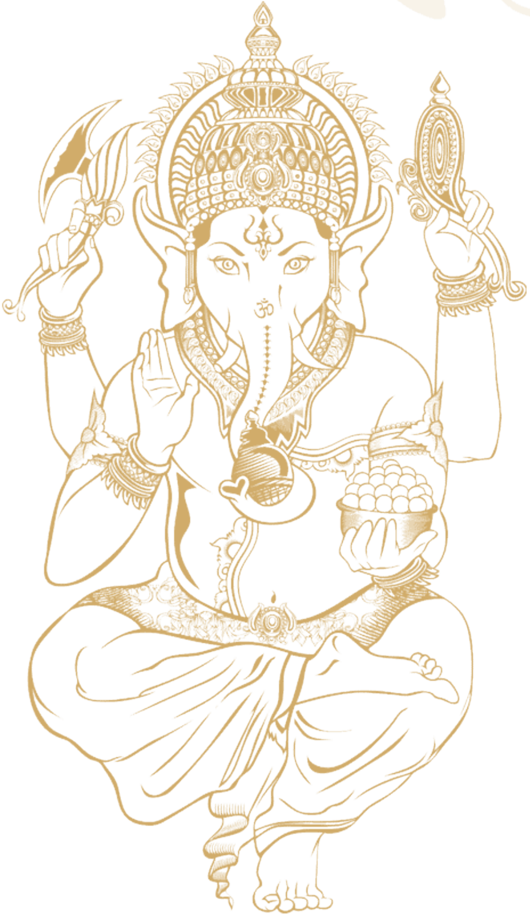

Sudhanshu gehlot

16 Feb 1991

01:45 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121565702

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **16/02/1991**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **13:45:00 घंटे**
इष्ट	: 16:19:26 घटी
स्थान	: **Jodhpur**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 26:18:00 उत्तर
रेखांश	: 73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 13:07:32 घंटे
वेलान्तर	: -00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	: 22:50:50 घंटे
सूर्योदय	: 07:13:13 घंटे
सूर्यास्त	: 18:30:16 घंटे
दिनमान	: 11:17:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 03:24:50 कुम्भ
लग्न के अंश	: 01:42:30 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	: **कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: शिव
करण	: कौलव
गण	: मनुष्य
योनि	: सिंह
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मेष
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:42:30	337:43:35	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			कुंभ	03:24:50	01:00:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	22:33:21	13:04:11	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	14:35:07	00:23:46	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध		अ	मक	22:51:51	01:40:00	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		कर्क	12:29:59	00:07:02	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			कुंभ	28:48:29	01:14:16	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मक	07:20:46	00:06:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	स्वराशि
राहु	व		मक	04:05:14	00:04:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	04:05:14	00:04:43	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			धनु	18:33:37	00:02:48	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप			धनु	22:01:42	00:01:49	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:37:48	00:00:12	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	17:31:17	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:16

लग्न-चलित

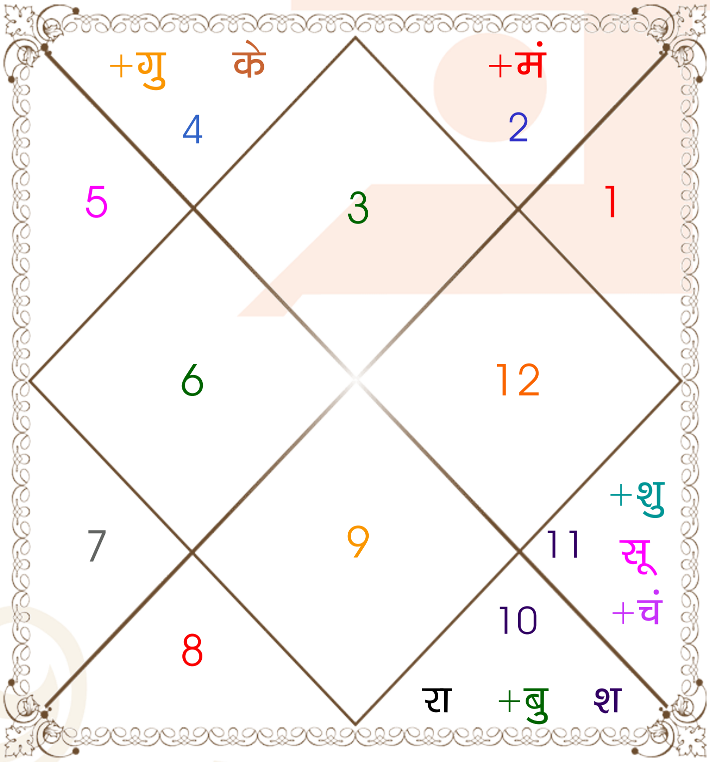

चन्द्र कुंडली

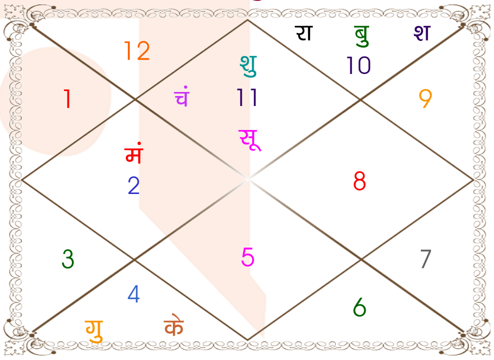

नवमांश कुंडली

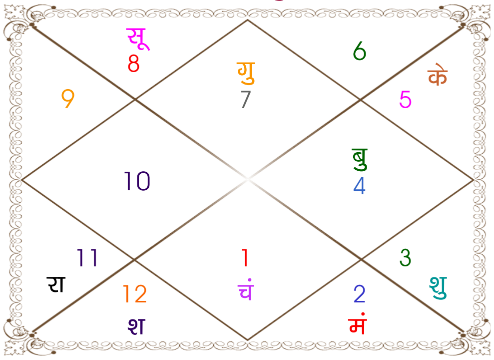

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 11 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
16/02/1991	**23/01/2004**	**23/01/2023**	**23/01/2040**	**23/01/2047**
23/01/2004	**23/01/2023**	**23/01/2040**	**23/01/2047**	**23/01/2067**
16/02/1991	शनि 26/01/2007	बुध 20/06/2025	केतु 20/06/2040	शुक्र 24/05/2050
शनि 22/09/1992	बुध 05/10/2009	केतु 17/06/2026	शुक्र 20/08/2041	सूर्य 24/05/2051
बुध 29/12/1994	केतु 14/11/2010	शुक्र 17/04/2029	सूर्य 26/12/2041	चंद्र 22/01/2053
केतु 05/12/1995	शुक्र 13/01/2014	सूर्य 22/02/2030	चंद्र 27/07/2042	मंगल 24/03/2054
शुक्र 05/08/1998	सूर्य 26/12/2014	चंद्र 24/07/2031	मंगल 23/12/2042	राहु 24/03/2057
सूर्य 24/05/1999	चंद्र 27/07/2016	मंगल 20/07/2032	राहु 11/01/2044	गुरु 23/11/2059
चंद्र 22/09/2000	मंगल 04/09/2017	राहु 07/02/2035	गुरु 17/12/2044	शनि 23/01/2063
मंगल 29/08/2001	राहु 11/07/2020	गुरु 15/05/2037	शनि 25/01/2046	बुध 22/11/2065
राहु 23/01/2004	गुरु 23/01/2023	शनि 23/01/2040	बुध 23/01/2047	केतु 23/01/2067

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
23/01/2067	**22/01/2073**	**23/01/2083**	**22/01/2090**	**24/01/2108**
22/01/2073	**23/01/2083**	**22/01/2090**	**24/01/2108**	**00/00/0000**
सूर्य 12/05/2067	चंद्र 22/11/2073	मंगल 21/06/2083	राहु 05/10/2092	गुरु 13/03/2110
चंद्र 11/11/2067	मंगल 24/06/2074	राहु 08/07/2084	गुरु 28/02/2095	शनि 17/02/2111
मंगल 18/03/2068	राहु 23/12/2075	गुरु 14/06/2085	शनि 04/01/2098	00/00/0000
राहु 09/02/2069	गुरु 23/04/2077	शनि 24/07/2086	बुध 24/07/2100	00/00/0000
गुरु 29/11/2069	शनि 23/11/2078	बुध 21/07/2087	केतु 12/08/2101	00/00/0000
शनि 11/11/2070	बुध 23/04/2080	केतु 17/12/2087	शुक्र 12/08/2104	00/00/0000
बुध 17/09/2071	केतु 22/11/2080	शुक्र 15/02/2089	सूर्य 06/07/2105	00/00/0000
केतु 23/01/2072	शुक्र 24/07/2082	सूर्य 23/06/2089	चंद्र 05/01/2107	00/00/0000
शुक्र 22/01/2073	सूर्य 23/01/2083	चंद्र 22/01/2090	मंगल 24/01/2108	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 10 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।